एनआईआरएफ रैंकिंग में राज्य के शैक्षणिक संस्थानों की फिर दुर्दशा

राज्य के सिर्फ आधा दर्जन संस्थानों को ही रैंकिंग में जगह

NATIONAL INSTITUTIONAL RANKING FRAMEWORK

रविवि की दुर्गति मगर उसे छोड़ किसी राजकीय विवि को रैंक नहीं मिला

कृषि विवि, संगीत विवि, बिलासपुर विवि, गुरु घासीदास विवि को रैंक नहीं

नवभारत ब्यूरो । रायपुर। एनआईआरएफ में छत्तीसगढ़ के राजकीय संस्थानों की एक बार फिर दुर्दशा हुई है। ओवरऑल तथा कॉलेज कैटेगरी के टॉप 200 में राज्य के किसी भी राजकीय संस्थान ने जगह नहीं बनाई है। पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय ने पिछली बार की तरह इस बार भी यूनिवर्सिटी कैटेगरी में 151-200 रैंक हासिल किया है। ओवरऑल कैटेगरी में रविवि फिर जगह नहीं बना सका है। उधर, कृषि विवि, संगीत विवि, बिलासपुर विवि, गुरु घासीदास विवि समेत राज्य के किसी भी राजकीय विश्वविद्यालय को एनआईआरएफ में रैंक नहीं मिला है। रविवि का फॉर्मेसी डिपार्टमेंट टॉप 100 से बाहर हो गया है। पिछली बार रैंक बैंड 78 हासिल किया था।

इस संबंध में जानकारी के अनुसार एनआईआरएफ के ओवरऑल कैटेगरी में छत्तीसगढ़ में संचालित केंद्रीय, राजकीय व निजी संस्थानों समेत 22 संस्थानों ने हिस्सा लिया। इसमें एनआईटी रायपुर को 101-150 रैंक बैंड तथा निजी विवि को 101-150 रैंक मिला है। यूनिवर्सिटी कैटेगरी में सिर्फ रविवि और निजी विश्वविद्यालय ने जगह बनाई है।

लॉ, एग्रीकल्चर, ऑर्किटेक्चर में किसी को जगह नहीं-राज्य के रविवि समेत तीन संस्थानों ने लॉ कैटेगरी, एनआईटी समेत दो संस्थानों ने आर्किटेक्चर कैटेगरी तथा इंदिरा गांधी कृषि विवि तथा छत्तीसगढ़ कामधेनु विवि ने एग्रीकल्चर कैटेगरी में पार्टिसिपेट किया लेकिन इन्हें कोई रैंक नहीं मिला। इंजीनियरिंग कैटेगरी में एनआईटी समेत 18 संस्थानों में हिस्सा लिया। इसमें एनआईटी को 70वां तथा आईआईटी को 81वां रैंक मिला।

इन कैटेगरी में किसी ने नहीं लिया हिस्सा-एनआईआरएफ के इनोवेशन, डेंटल, रिसर्च कैटेगरी में राज्य के किसी संस्थान ने पार्टिसिपेट नहीं किया। वहीं मेडिकल कैटेगरी में एम्स रायपुर को छोड़कर किसी भी संस्थान ने रैंकिंग में हिस्सा नहीं लिया।

रविवि का फॉर्मेसी डिपार्टमेंट हुआ टॉप 100 से बाहर -रविवि का फॉर्मेसी डिपार्टमेंट टॉप 100 से बाहर हो गया है। पिछली बार रैंक बैंड 78 हासिल किया था। इस बार यह संस्थान रैंक बैंड 101 से 125 में है। जानकारी के अनुसार 2016 में एनआईआरएफ में रैंक बैंड 22 हासिल करने के बाद रविवि के फॉर्मेसी डिपार्टमेंट की रैंकिंग लगातार गिरी है। 2021 में रैंक बैंड 71, 2022 में रैंक बैंड 78 हासिल किया। वहीं गुरु घासीदास केंद्रीय विवि के फॉर्मेसी डिपार्टमेंट का रैंक स्थिर है। पिछली बार उसे रैंक बैंड 43 मिला था और इस बार भी रैंक बैंड 43 मिला है।

आईआईएम की रैंक बढ़ी, एनआईटी की गिरी

आईआईएम रायपुर की चमक फिर बढ़ी है, मैनेजमेंट कैटेगरी में इस बार आईआईएम को 11 रैंक मिला है। पिछली बार रैंक बैंड 14 था। आईआईएम के डॉयरेक्टर प्रो. राम कुमार कांकाणी ने कहा कि यह संस्थान की असाधारण उपलब्धि है। उधर, इंजीनियरिंग कैटेगरी में एनआईटी रायपुर का रैंक पिछली बार से गिर गया। पिछली बार 65 रैंक था, इस बार 5 पायदान खिसककर 70 रैंक हो गया है।

कोई भी कॉलेज टॉप 200 में नहीं

राज्य के 28 कॉलेजों ने एनआईआरएफ रैंकिंग में हिस्सा लिया। इनमें से 14 शासकीय और 14 निजी कॉलेज शामिल थे। इनमें से किसी भी कॉलेज को रैंक नहीं मिला। टॉप 200 में भी राज्य के कोई कॉलेज नहीं है।

रविवि इस बार भी टॉप 150 में नहीं

एनआईआरएफ में पं. रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय के रैंक में इस बार भी सुधार नहीं हुआ है। ओवरऑल कैटेगरी में तीसरी बार रविवि जगह नहीं बना सका। विश्वविद्यालय कैटेगरी में इस बार पिछली रैंकिंग की तरह रैंक बैंड 151-200 में है। रविवि 7 वर्षों से 'यूनिवर्सिटी कैटेगरी' में टॉप 100 में नहीं पहुंच सका है। लगातार दूसरी बार रविवि से बेहतर परफार्मेंस राज्य के एक निजी विवि ने किया है। यूनिवर्सिटी कैटेगरी में निजी विवि रैंक बैंड 101-150 में है तथा ओवरऑल कैटेगरी में भी निजी विवि ने जगह बनाई है। रविवि सिर्फ दो बार 2017 और 2020 में ओवरऑल कैटेगरी में जगह बना पाया था। दोनों बार रैंक बैंड 101-150 में था।

Navbharat, 6th june 2023,p. 11